

प्रेस विज्ञप्ति

दिल्ली जल बोर्ड में 'ऑफिस से पहले ऑन-ग्राउंड निरीक्षण': एक माह में 1,300 से अधिक निरीक्षण

नई दिल्ली, 19 अगस्त 2026

दिल्ली जल बोर्ड के **133 से अधिक अधिकारियों** ने पिछले एक माह में पूरी दिल्ली में **1,300 से अधिक निरीक्षण** किए हैं। बोर्ड ने अपनी सेवाओं को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जन-केंद्रित बनाने के लिए फील्ड निरीक्षण की व्यापक व्यवस्था लागू की है, जिसके अंतर्गत अधिशासी अभियंता (Executive Engineer) और उससे उच्च स्तर के सभी अधिकारी प्रतिदिन कार्यालय पहुंचने से पहले अपने निर्धारित क्षेत्रों, परियोजनाओं अथवा कार्यस्थलों का निरीक्षण करते हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारी स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी भी ले रहे हैं।

अभियान के अंतर्गत जल शोधन संयंत्रों (WTP), सीवेज शोधन संयंत्रों (STP), सीवेज पंपिंग स्टेशनों (SPS), बूस्टर पंपिंग स्टेशनों (BPS), जोनल राजस्व कार्यालयों (ZRO), वर्षा जल संचयन संरचनाओं (RWH), रैनी वेल, जल एवं ड्रेनेज इकाइयों तथा दिल्ली जल बोर्ड के अन्य कार्यालयों, संयंत्रों और परियोजना स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक **दिल्ली के लगभग सभी क्षेत्रों** को इन निरीक्षणों में शामिल किया जा चुका है।

निरीक्षणों को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए दिल्ली जल बोर्ड द्वारा विशेष रूप से विकसित '**निरीक्षण' ऐप** का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारी प्रत्येक निरीक्षण का पूरा विवरण, संबंधित स्थल की स्थिति, कमियां, सुझाव और आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही ऐप पर दर्ज करते हैं, जिससे पूरी दिल्ली में चल रहे निरीक्षणों और विकास कार्यों का एकीकृत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार हो रहा है। निर्देशों और सुझावों पर की गई कार्यवाही की प्रगति भी ऐप पर अपडेट की जाती है तथा कार्य पूर्ण होने पर वरिष्ठ अधिकारी उसकी समीक्षा करते हैं, ताकि निरीक्षण केवल रिकॉर्ड तक सीमित न रहें, बल्कि मौके पर दिखाई देने वाले परिणामों में बदलें।

इस पूरी व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग और समीक्षा दिल्ली जल बोर्ड के **CEO श्री सज्जन सिंह यादव, IAS** द्वारा की जा रही है। उनके स्तर पर निरीक्षणों की संख्या, चिन्हित समस्याओं, दिए गए निर्देशों तथा उनके समाधान की प्रगति का लगातार अवलोकन किया जाता है।

इस पहल से अधिकारियों की फील्ड में प्रत्यक्ष मौजूदगी, कार्यों की निगरानी और विभागीय जवाबदेही को मजबूती मिली है। दिल्ली जल बोर्ड का लक्ष्य स्पष्ट है कि अधिकारी जनता से सीधे संवाद करें, समस्याओं की वास्तविक स्थिति समझें और निर्धारित समय-सीमा में उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें।